सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

सुविचार

खोल दे पंख मेरे, कहता है परिंदा, अभी और उड़ान बाकी है। जमीन नहीं है मंजिल मेरी, अभी पूरा आसमान बाकी है।

मास्क जरूरी, नहीं कोई मजबूरी

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-3 • 09 SEPTEMBER TO 15 SEPTEMBER 2021 • VOLUME-8 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the visa

•IELTS •STUDY ABROAD

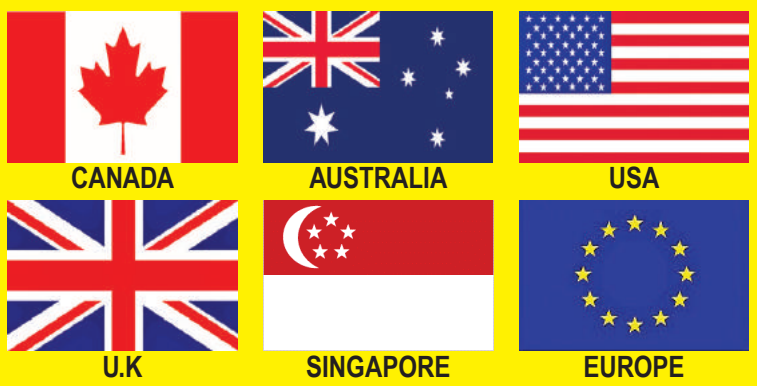

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रबी फसलों के लिए एमएसपी बढ़ाने को दी मंजूरी

नई दिल्ली. पीएम नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति ने रबी विपणन सीजन (आरएमएस) 2022-23 के लिये सभी रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी करने को मंजूरी दे दी है। सरकार ने आरएमएस 2022-23 के लिए रबी फसलों की एमएसपी में इजाफा कर दिया है, ताकि किसानों को उनके उत्पादों की लाभकारी कीमत मिल सके। पिछले वर्ष के एमएसपी में मसूर की दाल और कैनोला तथा सरसों में उच्चतम संपूर्ण बढ़ोतरी (प्रत्येक के लिए 400 रुपये प्रति क्विंटल) करने की सिफारिश की गई है। इसके बाद चने (130 रुपये प्रति क्विंटल) को रखा गया है। पिछले वर्ष की तुलना में कुसुम के फूल का मूल्य 114 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा दिया गया है।

सीएम ने केंद्र द्वारा गेहूँ की एमएसपी में वृद्धि को बताया शर्मनाक

चंडीगढ़. केंद्र की कैबिनेट द्वारा गेहूँ की एमएसपी में की गई वृद्धि को शर्मनाक करार देते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने बुधवार को केंद्र सरकार को मुसीबत में घिरे किसानों, जो कि पिछले 10 महीनों से कृषि कानूनों के ख़िलाफ़ आंदोलन करने के लिए सड़कों पर उतरे हुए हैं, के ज़ख़्मों पर नमक छिड़कने के लिए आड़े हाथों लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भारत का कृषि क्षेत्र कठिन समय में से गुज़र रहा है और किसान उचित एमएसपी के लिए आंदोलन कर रहे हैं, ऐसे समय भाजपा के नेतृत्व वाली भारत सरकार ने अन्नदाताओं के साथ भद्दा मज़ाक किया है।

करनाल में किसानों व प्रशासन की वार्ता फिर विफल, टिकैत बोले- जारी रहेगा धरना

करनाल. हरियाणा के करनाल में मिनी सचिवालय में किसानों का धरना जारी है। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता कथित लाठीचार्ज का आदेश देने वाले आईएएस अधिकारी आयुष सिन्हा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इसी बीच किसान और प्रशासन के बीच में एक बार फिर से बैठक हुई। इस बैठक के बारे में किसान नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जानकारी दी।

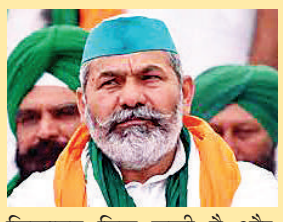

यादव ने कहा कि किसानों की मांग थी कि आईएएस अफसर आयुष सिन्हा पर 307 और 302 का मुकदमा दर्ज होना चाहिए। लेकिन सरकार उन पर कोई भी मुकदमा दर्ज करने के लिए तैयार नहीं है। जबकि सरकार खुद कहती है कि लाठीचार्ज होना और आयुष सिन्हा का बोलना दो अलग-अलग जगह की घटना है और उन्हें लिखित शिकायत मिल चुकी है और वीडियो साक्ष्य मिल चुके हैं, इसके बावजूद कार्रवाई करने के लिए तैयार नहीं हैं। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि आज 3 घंटे तक बैठक चली। जबकि बीते दिनों 2 घंटे तक बैठक हुई लेकिन अधिकारी पूर्णरूप से उस अधिकारी को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उसके खिलाफ मुकदमा लिखने और सस्पेंड करने के लिए तैयार नहीं हैं। इसलिए यहां पर धरना जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली का धरना डिस्टर्ब न हो इसलिए बाकि के जगहों से किसानों को बुलाया जाएगा।

पंजाब सरकार द्वारा नीरज चोपड़ा का सम्मान

चंडीगढ़. पंजाब के खेल मंत्री राणा गुरमीत सिंह सोढी ने टोक्यो ओलंपिक खेल में स्वर्ण पदक जीतने वाले जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा और जकार्ता पैरा-एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता गुरलाल सिंह को आज यहां नकद पुरस्कारों से सम्मानित किया।

पंजाब भवन में करवाए गए सम्मान समारोह के दौरान राणा सोढी ने मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह द्वारा किये गए ऐलान के मुताबिक 'गोल्डन ब्वॉय' नीरज चोपड़ा को 2.51 करोड़ रुपए की राशि का चैक सौंपा और 2018 में जकार्ता में हुये पैरा-एशियाई खेलों में साईक्लिंग में कांस्य पदक जीतने वाले गुरलाल सिंह को 50 लाख रुपए के चैक भेंट किया।

सीएम ने ओलंपियन खिलाड़ियों के लिए बनाया खाना

चंडीगढ़. सीएम कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने ओलंपियन खिलाडिय़ों के सम्मान में अपने निवास स्थान पर की गई मेज़बानी के माहौल को आनन्दमयी और यादगार बना दिया। मुख्यमंत्री द्वारा राज्य के ओलंपियनों और जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा से किए गए वादे के मुताबिक इन पलों को आज साकार रूप दिया।

डीसी इनकम टैक्स ने विरसा विहार में प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

जालंधर. कला रूह को सकून देती है और सहृदय और अच्छे समाज के निर्माण में कलाकार अहम भूमिका निभाते है। यह बात डिप्टी कमिश्नर, इनकम टैक्स जालंधर, गगन कुन्दरा थोरी ने यहाँ विरसा विरसा में विश्व प्रसिद्ध कलाकार बसु देव बिशवास की कलाकृतियों की 10 सितम्बर तक चलने वाली प्रदर्शनी का शमा रौशन कर उद्घाटन किया। उन बसु देव बिस्वास की तरफ से धातु के साथ तैयार की कलाक्रितियें देखीं और उन के बारे जानकारी भी हासिल की।

कोविड प्रोटोकॉल अनुसार मनाया जायेगा श्री सिद्ध बाबा सोढल मेला

जालंधर ब्रीज. डीसीपी नरेश डोगरा, एसडीएम हरप्रीत सिंह अटवाल और सहायक कमिश्नर (जनरल) हरदीप सिंह ने कहा कि इस साल श्री सिद्ध बाबा सोढल मेला कोविड-19 प्रोटोकॉल अनुसार ही मनाया जायेगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि मेले दौरान कोविड -19 प्रोटोकॉल की पालना को यकीनी बनाई जाए, जिससे इस महामारी से स्वंय और दूसरों को बचाया जा सके। उन्होनें कहा कि श्री सिद्ध बाबा सोढल मेला जालंधर में 18,19 और 20 सितम्बर को करवाया जा रहा है और इस मेले सम्बन्धित ज़िला प्रशासन की तरफ से हर प्रकार के प्रबंध किये जाएंगे। ज़िला प्रशासन की तरफ से अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (जनरल) अमरजीत बैंस ने श्री सिद्ध बाबा सोढल मंदिर प्रबंधक समिति के अधिकारियों के साथ बैठक की।

महीनों से अवैध खड़े वाहनों को क्यों अनदेखा कर रहा है ट्रैफिक विभाग

एक ही शहर में अवैध पार्किंग के लिए अलग-अलग नियम

• टैफिक की यह समस्या सिर्फ पटेल चौंक से लेकर वर्कशॉप चौंक पर ही नहीं बल्कि शहर के विभिन्न इलाकों का भी यही हाल है। सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े ऐसे वाहन न सिर्फ ट्रैफिक समस्या को उत्पन्न करते हैं बल्कि शहर को स्मार्ट बनने की राह में भी रोड़ा हैं। जरूरी है ऐसे वाहन मालिकों, चालकों पर उचित कार्रवाई करने की ताकि इस गंभीर समस्या से शहर व आम जनता को निजात मिल सके। इसके लिए संबंधित विभाग व जनता को मिलकर प्रयास व सहयोग करना होगा।

• **जालंधर ब्रीज.** विशेष रिपोर्टर

पंजाब में चुनावी साल के चलते लगभग सभी शहरों में सीवरेज, पानी की पाइपें डालने के लिए जगह-जगह शहरों की खुदाई की जा रही है और पक्की सड़कों का निर्माण अलग-अलग विभागों द्वारा करवाया जा रहा है। जिसको गलत समय और गलत तरीकों से संबंधित विभिन्न विभागों के बिना किसी तालमेल के किया जा रहा है। इस कारण सभी शहरों की ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

परन्तु इस वक़्त जालंधर शहर के अंदर स्मार्ट सिटी के नाम पर शुरू किए गए कार्यों के कारण लोगों को काफी मुश्किलों का सामना भी करना पड़ रहा है।

वहीं कई वाहन चालकों को ट्रैफिक समस्या के कारण शहर में एक जगह से दूसरी जगह जाने में कई घंटों तक जाम का सामना कर गुजरना पड़ता है। इसका मुख्य कारण है शहर की ज्यादातर सड़कों को नगर-निगम या अन्य विभाग द्वारा खोदा जाना।

दूसरी तरफ पटेल चौंक से लेकर वर्कशॉप चौंक तक नई सड़क बनाई जा रही है उसी सड़क के किनारे ट्रक और ऑटो के स्थाई खड़े होने की वजह से ट्रैफिक जाम की स्थिति लगातार बनी रहती है। अगर कुछ सालों तक शहर के इस हिस्से पर करोड़ों रुपए खर्च कर भी दिए जाए फिर भी इस क्षेत्र को स्मार्ट होने का दर्जा नहीं दिया जा सकता।

बता दें कि इस क्षेत्र में जगह-जगह सुबह से लेकर रात तक ट्रक, टैम्पों जैसे वाहन अवैध रूप से खड़े रहते है और उन्हें हटाने के लिए किसी भी विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जाती।

जिक्रयोग्य है कि जालंधर ट्रैफिक पुलिस गलत पार्किंग की गई वाहनों को टो करने का कांट्रैक्ट जबसे प्राइवेट कंपनी के साथ हुआ है तबसे शहर के कई अंदरुनी इलाकों में गलत ढंग से पार्क की गई गाड़ियों को वह टो कर ले जाते हैं उसके बाद वाहन ऑनर को उसे छुड़वाने के लिए भारी-भरकम जुर्माना भी भरना पड़ता है।

वहीं शहर के सैकड़ों ऐसे स्पॉट हैं जहां पर सड़कों के किनारे अवैध रूप से गाड़ियां खड़ी रहती हैं, वहां लगातार टैफिक समस्या बनी रहती है। क्यों नहीं ट्रैफिक पुलिस के कर्मचारी ऐसे क्षेत्रों में अपनी बनती कार्रवाई करके अवैध रूप से सड़कों पर खड़े वाहन मालिकों से जुर्माना वसूलती, क्यों नहीं प्राइवेट टो करने वाली कंपनी ऐसे वाहनों को टो कर ले जाती। जिससे भीड़-भाड़ वाली क्षेत्रों में टैफिक समस्या से निजात मिल सके और शहर को स्मार्ट बनने में भी मदद मिले।

लेकिन ट्रैफिक विभाग के कर्मचारी मिलीभगत के कारण प्राइवेट कंपनी को फायदा पहुंचाने के चक्कर में ज्यादातर उन क्षेत्रों की गाड़ियां टो करने में लगी रहती है जहां पर इसकी खास जरूरत नहीं।

गौरतलब है जालंधर ट्रैफिक पुलिस द्वारा बताया गया है कि साल 2017 से जुलाई 2021 तक कार्रवाई करते हुए गलत ढंग से गाड़ी पार्क करने पर 11496 वाहन चालकों के चालान किए गए और ओवरलोडेड वाहनों के 652 चालान किए गए।

वहीं एजुकेशन सेल जालंधर ट्रैफिक पुलिस द्वारा 2111 सेमिनार लगा कर वाहन चालकों और जनता को ट्रैफिक नियमों संबंधी जानकारी दी गई।

अब देखना यह है कि शहर को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए पटेल चौंक से वर्कशॉप चौंक तक करोड़ों रुपए खर्च हो रहे हैं वहीं ट्रैफिक पुलिस भी इस क्षेत्र में सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े होने वाले वाहनों पर कारवाई करती है या हमेशा की तरह आम जनता जो शहर में कुछ समय के लिए जरूरी काम से आने पर पार्किंग की कोई व्यवस्था न होने के कारण वाहन को मजबूरी में ऐसे स्थानों पर पार्क कर देते हैं जहां पार्किंग निषेध हो सिर्फ ऐसे ही वाहनों को उठवा लिया जाता है वहीं महीनों से अवैध खड़े वाहनों को लंबे समय से अनदेखा किया जा रहा है।

इसे देखते हुए ऐसा कहना अनुचित नहीं होगा कि एक ही शहर में ट्रैफिक व्यवस्था के लिए लागू है अलग-अलग नियम।

जालंधर ब्रीज विचार

शहर स्मार्ट तो बनेगा लेकिन ऐसे नहीं। शहर को स्मार्ट बनाने के लिए सभी संबंधित विभाग चाहे वह नगर-निगम हो या ट्रैफिक पुलिस विभाग सभी को उचित व ठोस कदम उठाने की जरूरत है। जहां जरूरत हो वहां बनती कार्रवाई हो साथ-साथ जनता को इसके लिए उचित शिक्षा देकर भी जागरूक किया जाना जरूरी है। अगर जनता इस ओर अवेयर हो जाए तो शहर में आ रही कई गंभीर समस्याओं से निजात मिलेगी वहीं स्मार्ट सिटी बनने में भी सबसे ज्यादा मदद मिलेगी। वहीं शहर में प्राथमिकता के आधार पर जो कार्य जरूरी हो उसकी समीक्षा करके कार्य को किया जाना चाहिए ताकि फंड का भी सदुपयोग हो सके।

दुनियाभर के 8 अजीबोगरीब कानून

हर देश अलग है और देश का अपना कानून भी है। कभी-कभी ऐसे कानून सुनने में बेहद मजाकिया भी लगते हैं और कभी-कभी सुनकर हैरानी भी होती है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे 8 कानूनों की सूची बताने वाले हैं, जिनके बारे में सुनकर या तो आपको हंसी आएगी...

1 सैन फ्रांसिस्को की सड़कों पर कबूतरों को खाना खिलाना है गैरकानूनी

सैन फ्रांसिस्को की सड़कों पर कबूतरों को खाना खिलाना गैरकानूनी है। ये शहर पक्षियों को बीमारी फैलाने और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के लिए जिम्मेदार ठहरता है। अगर आप शहर में कबूतरों को खाना खिलाते हुए पकड़े जाते हैं तो आपको भारी जुर्माना भरना पड़ सकता है। यहां तक कि नागरिकों को भी कबूतर को खाना खिलाने वाले की सूचना पुलिस को देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

2 सिंगापुर में च्युइंग बेचना, आयात करना गैरकानूनी

1992 में, देश में च्युइंग गम पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, लेकिन उन्हें खाना अवैध नहीं है। 2004 में, बैन में कुछ संशोधन किए गए और तब से डॉक्टर या फार्मासिस्ट से आप डेंटल, थेरोपेटिक और निकोटिन च्युइंग गम खरीद सकते हैं। बैन इसलिए लगाया गया था क्योंकि बदमाशों ने ट्रेनों के दरवाजे के सेंसर, मेलबॉक्स, कीहोल के अंदर, लिफ्ट के बटन, सीढ़ी और जहां भी सफाई करना मुश्किल था, वहां च्यूइंग गम चिपकाना शुरू कर दिया था।

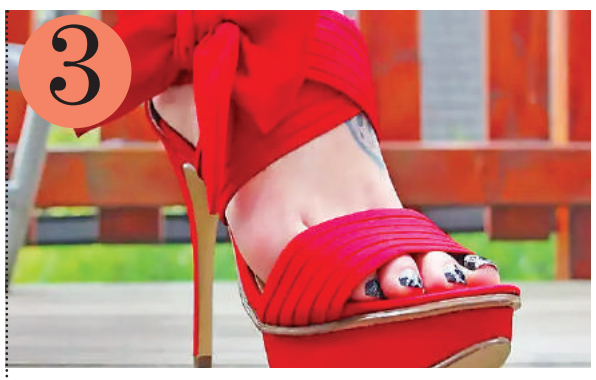

3 ग्रीस में कुछ ऐतिहासिक स्थलों पर ऊंची एड़ी के जूते पहनना प्रतिबंधित

2009 में, ग्रीक प्रागैतिहासिक और शास्त्रीय पुरावशेषों के डिरेक्टर ने कहा था कि महिला पर्यटकों को ऐसे जूते पहनने चाहिए जो स्मारकों को नुकसान न पहुंचाएं। इन स्मारकों पर ऊंची एड़ी के जूते छेद कर सकते हैं क्योंकि हील्स पर पूरे शरीर का दबाव पड़ता है।

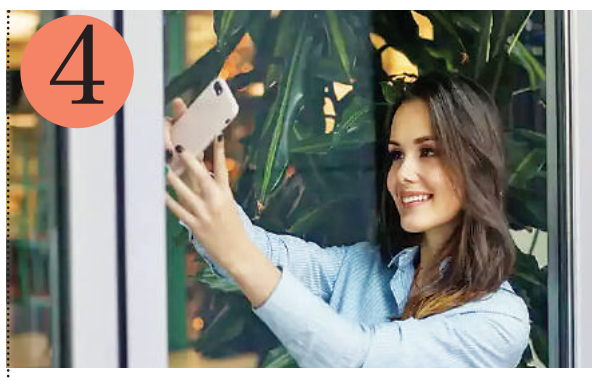

4 श्रीलंका में बुद्ध के साथ सेल्फी लेना गैरकानूनी है

श्रीलंका में बौद्ध प्रतिमाओं और कलाकृतियों के साथ दुर्व्यवहार पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है। बुद्ध की ओर पीठ करके सेल्फी नहीं लेनी चाहिए क्योंकि यह यहां अपमानजनक माना जाता है। एक फ्रेंच पर्यटकों को इस सेक्शन में रखा गया था, क्योंकि वो बुद्ध को किस करते हुए फोटो खिंचवा रहे थे।

5 अलास्का, वरमोंट, मेन और हवाई में होर्डिंग पर है बैन

चार अमेरिकी राज्यों ने होर्डिंग पर प्रतिबंध लगा रखा है क्योंकि वे अपनी प्राकृतिक सुंदरता को बनाए रखना चाहते हैं। इससे उनका कहना है कि होर्डिंग न लगाने से पर्यटक उनके राज्य में आने के लिए आकर्षित होंगे।

6 थाईलैंड में पैसों पर पैर रखना गैरकानूनी है, हो सकती है जेल

थाई पैसे पर कदम रखना थाईलैंड में बहत अवैध माना जाता है क्योंकि इसमें देश के शाही परिवार की तस्वीरें छपी हुई हैं। यही कारण है कि पैसों पर पैर रखना गैरकानूनी है। 1908 से शाही परिवार की छवि को खराब करना कानून के खिलाफ है और अगर यह साबित हो गया कि आपने थाईलैंड में पैसों के उपर पैर रखा है तो सीधे जेल की हवा खानी पड़ सकती है।

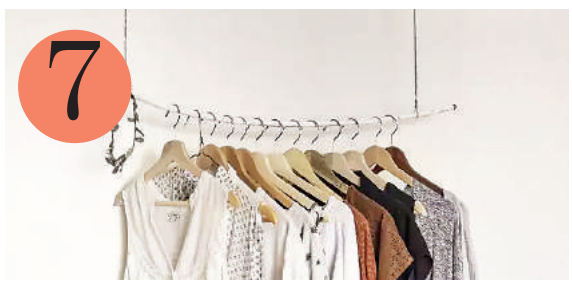

7 डेनमार्क में पब्लिक में चेहरे को पूरी तरह से ढकना अवैध है

2018 में, देश की संसद ने ऐसे कानून को भी मंजूरी दे रखी है कि पब्लिक में ऐसे चेहरे को ढकने वाले कपड़े पहनना अवैध है। उन्होंने कहा कि इस बैन से सार्वजनिक सुरक्षा और एकीकरण को बढ़ावा मिलेगा।

8 विक्स का इस्तेमाल करना जापान में है बैन

विक्स का इस्तेमाल करना जापान में है बैन एलर्जी या साइनस की दवाएं जिनमें स्यूडोएफ़ेड्रिन और कोडीन मौजूद है, उनका इस्तेमाल करना देश में बैन है और उन्हें देश में नहीं लाया जाना चाहिए।

इम्युनिटी बढ़ाना है तो डाइट में शामिल करें ये 5 चीजें, रहेंगे हेल्दी

सितंबर के पहले हफ्ते से राष्ट्रीय पोषक सप्ताह शुरू हो चुका है। इसका उद्देश्य लोगों को पौष्टिक आहार के प्रति जागरूक करना है। आइए जानते हैं किन चीजों को खाने से इम्युनिटी मजबूत होती है।

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ रिपोर्टर

हर साल सितंबर महीने के पहले हफ्ते में राष्ट्रीय पोषण हफ्ता शुरू होता है। इस साल 1 सिंतबर से राष्ट्रीय पोषण सप्ताह शुरू हो चुका है। इसका उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य और पौष्टिक खाने के बारे में जागरूक करना है। महामारी की वजह से ज्यादातर लोग अपनी सेहत को लेकर जागरूक हुए है। इस दौरान हेल्दी फूड और इम्युनिटी को करने पर जोर दिया गया है।

दुनियाभर के विशेषज्ञों के अनुसार, महामारी से बचने के लिए इम्युनिटी को मजबूत रखना बहुत जरूरी है। कुछ लोगों की इम्युनिटी जन्म से ही स्ट्रांग होती है। वहीं, कुछ लोग डाइट और एक्सरसाइज से अपनी इम्युनिटी को मजबूत करने की कोशिश करते हैं। आइए जानते हैं इम्युनिटी बढ़ाने के लिए डाइट में किन चीजों को शामिल करना चाहिए।

पानी पिएं : शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। पानी पीने से शरीर हाइड्रेटेड रहता हैं। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है। ये आपके शरीर को डिटॉक्सीफाई करने में मदद करता है। ये चीजें आपकी इम्युनिटी को बढ़ाने में मदद करती है।

हरी सब्जियां खाएं : क्या आपने कभी सोचा है कि पेरेंट्स हरी सब्जियां खाने की सलाह क्यों देते हैं। क्योंकि ये चीजें आपके पौष्टिक आहार को बढ़ाने में मदद करती है। हरी सब्जियों में विटामिन्स, मिनरल्स, फाइबर, प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है जो इम्युनिटी को बढ़ाने में मदद करता है।

प्रोबायोटिक खाएं : क्या आप जानते हैं इम्युनिटी को मजबूत बनाने में स्वस्थ आंत की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कई स्टडी में पाया गया कि आंत गुड बैक्टीरियां को बढ़ाने का काम करते हैं और इम्युनिटी को बढ़ाने में मदद करता है। इसलिए न्यूट्रिशनिस्ट दही, छाछ, लस्सी का सेवन करने की सलाह देते हैं।

फ्रूट्स का सेवन करें : फ्रूट्स एक सुपरफूड है जो हमारे सेहत के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। ये हेल्दी रहने के लिए सबसे अच्छा ऑप्शन है। फ्रूट्स आपको हेल्दी रखने में मदद करता है। ये आपके पेट को लंबे समय तक भरा रखने में मदद करता है।

जड़ी-बूटी, मसाले और काढ़ा : दालचीनी, जीरा, हल्दी समेत अन्य मसाले इम्युनिटी को बढ़ाने में मदद करता है। ये चीजें खाने में स्वाद बढ़ाने के साथ - साथ इम्युनिटी को भी मजबूत करती हैं। महामारी के इस दौर में ज्यादातर लोग इम्युनिटी को बढ़ाने के लिए काढ़ा, हर्बल टी का इस्तेमाल करते हैं। इन चीजों में एंटी ऑक्सीडेंट, एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी बैक्टीरियल गुण होते हैं जो इम्युनिटी को बढ़ाने में मदद करता है।

पहली बार किसने किए थे दस्तखत, कैसे शुरू हुआ परंपरा

साइन आपका नाम ही नहीं, पहचान भी है। इसमें आपकी क्रिएटिविटी भी झलकती है। दस्तखत रोज-रोज नहीं बदलते। इसे अपनी पहचान की तरह अमिट बनाना होता है। दस्तखत में भी कितनी कलाकारी हो सकती है, यह जानने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ओबामा और ट्रंप की साइन दे सकते हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** नॉलेज रिपोर्टर

दस्तखत माने आपकी पहचान। अब यह आप पर निर्भर करता है कि दस्तखत कैसे करते हैं। सपाट नाम लिख देते हैं या दस्तखत में अपनी पूरी कलाकारी उतार देते हैं। विशेषज्ञों की मानें तो दस्तखत व्यक्ति की मानसिकता के बारे में बताता है। दस्तखत को अंग्रेजी में सिग्नेचर कहते हैं। यह आपकी क्रिएटिविटी को बताता है। हजारों साल से इसकी परंपरा चली आ रही है। यह परंपरा तब भी थी जब कागज, कलम और दवात नहीं थे। तब लोग पाषाण या पत्थरों पर दस्तखत करते थे। इतिहास में ऐसी कई बातें दर्ज हैं।

आधुनिक जमाने में बैंक खाते में दस्तखत करना हो या रसीद पर साइन करनी हो, अपने कागजातों को सेल्फ अटेस्ट करना हो या नामी-गिरामी शख्सियत बनने पर ऑटोग्राफ देना हो, प्यार-मोहब्बत में ग्रिटिंग्स कार्ड भेजना हो तो हम शौक से अपना दस्तखत 'घसीटते' हैं। इससे हमारी पहचान बनती है और लोग बोल उठते हैं-वाह, क्या हस्ताक्षर है।

ओबामा और ट्रंप के हस्ताक्षर मशहूर : अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और डोनाल्ड ट्रंप अपने दस्तखत को लेकर मशहूर रहे हैं। ओबामा के दस्तखत में उनका नाम ठीक से पढ़ सकते हैं, लेकिन लिखावट में इतनी कसीदेदारी है कि लोग कहते हैं, आखिर साइन घसीटते वक्त भी इतनी क्रिएटिविटी कहां से आ जाती है। दूसरी ओर, डोनाल्ड ट्रंप की साइन देखकर आप हैरत में पड़ जाएंगे कि वे आखिर लिखना क्या चाहते हैं। आपको यही लगेगा कि उलटे और सीधे रूप में अंग्रेजी का वर्ण v लिख दिया गया है। लेकिन इसमें भी उनकी कलाकारी है, एक क्रिएटिविटी है जिसकी पूरी दुनिया दाद देती है।

कब शुरू हुआ दस्तखत : अब चलते हैं दस्तखत के इतिहास पर। कुछ इतिहास में दर्ज है कि दस्तखत का प्रचलन सबसे पहले 3000 ईसा पूर्व शुरू हुआ। सुमेरियाई और मिस्र की सभ्यताओं में ऐसे कई शिलालेख मिलते हैं जिनके 'पिक्टोग्राफ' या पिक्चर की सीरीज बताते हैं कि उस वक्त लोग दस्तखत करते थे। हालांकि यह नाम के रूप में ही नहीं होता था, लेकिन पहचान साबित करने के लिए तस्वीरें

दस्तखत के रूप में घसीटी जाती थीं। एक सुमेरियाई मिट्टी की प्लेट पर ऐसी कई तस्वीरें मिली हैं जिन पर दस्तखत के रूप में तस्वीरें उकेरी गई हैं। ये तस्वीरें अक्षरों की शॉर्ट फॉर्म हैं जिनके बेहद गंभीर मायने हैं। इससे तत्कालीन सभ्यता की समझ और पहचान हासिल होती है।

इंग्लैंड में बना पहला कानून : यही बात ग्रीक और रोमन सभ्यता के दौरान भी देखने को मिली। इतिहास बताता है कि तकरीबन 439 AD के आसपास रोमन वेलेंटीनियन-3 के राज में दस्तखत किए जाते थे। हालांकि इतिहास में 1069 के आसपास ही दस्तखत का उल्लेख देखने को मिलना शुरू हुआ। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि इस दौरान दुनिया के नामचीन लोगों के दस्तखत इतिहास में शुमार होने लगे। कानूनी तौर पर देखें तो 1677 में इंग्लैंड की संसद में स्टेट ऑफ फ्रॉड एक्ट पास किया गया जिसमें सिग्नेचर की प्रथा को अनिवार्य किया गया। यह काम फ्रॉड या जालसाजी रोकने के लिए किया गया जो बाद में आम प्रचलन में शामिल हो गया।

कब शुरू हुई ई-साइन की प्रथा : जमाने के साथ सिग्नेचर भी बदलते गए और जैसे हर चीज इलेक्ट्रॉनिक हो रही है, वैसे दस्तखत भी इलेक्ट्रॉनिक हो गया। इसे ई-साइन कहा जाता है। बैंकों ने ई-साइन की प्रथा को तेजी दी है क्योंकि इससे फर्जीवाड़े पर रोक लगती है। हाथ से दस्तखत की कॉपी आसानी से की जा सकती है और उसका नकल आसान है। लेकिन ई-साइन में अभी कोई शिकायत नहीं मिल रही। परंपरागत दस्तखत की जगह चिप एंड पिन सिस्टम ने ले लिया है जिसका इस्तेमाल अभी बैंकों में धड़ल्ले से किया जा रहा है। साल 2000 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने ई-साइन एक्ट पास किया जिसने ई-सिग्नेचर टेक्नोलॉजी का मार्ग प्रशस्त कर दिया। आज यह तकनीक पूरी दुनिया में अपनाई जाने लगी है।

नॉलेज न्यूज

हाथी के दांत में आखिर ऐसा क्या होता है कि ये सोने से भी महंगे बिकते हैं?

हाथी के दांत के बारे में आपने बहुत कुछ सुना होगा कि यह काफी महंगे होते हैं। इसके लिए कई लोग तस्करी भी करते हैं और इसके चक्कर में कई हाथियों की हत्या भी कर दी जाती है। कई लोग इसे सजाने के लिए काम में लेते हैं तो कई लोग इसके आभूषण बनाते हैं। हाथी दांत से बनने वाले हाथी दांत की चूड़ियां काफी लोकप्रिय भी हैं, जिसके लिए लोग लाखों रुपये खर्च कर देते हैं। लेकिन कभी आपने सोचा है कि आखिर इस हाथी दांत में ऐसा क्या होता है कि इसकी कीमत इतनी ज्यादा होती है।

ऐसे में आज हम आपको बताते हैं कि आखिर इसमें क्या खास होता है और ये हाथी के दांत कितने रुपये में मिलते हैं। साथ ही जानेंगे कि हाथी के दांतों का कारोबार लीगल है या नहीं। साथ ही जानेंगे कि हाथी के दांत से जुड़ी खास बातें, जिनके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

क्यों इतने महंगे होते हैं?

वैसे देखा जाए तो इसकी कोई आंतरिक वैल्यू नहीं होती है। यानी इसमें ऐसे कोई तत्व नहीं होते हैं, जो उसे खास बनाते हो। इनकी सांस्कृति वैल्यू ज्यादा मानी जाती है और इसलिए इसे बेशकीमती माना जाता है। साथ ही इसे स्टेट्स सिंबल से जोड़ा जाता है और इसलिए इसकी कीमत काफी ज्यादा होती है। इसका कोई आंतरिक मूल्य नहीं है, लेकिन इसके सांस्कृतिक उपयोग हाथी दांत को अत्यधिक बेशकीमती बनाते हैं। यह सिर्फ लग्जरी का प्रतीक माने जाने की वजह से काफी फेमस है और इसे इतने महंगे में खरीदा जाता है।

कितने के बिकते हैं हांथी दांत?

अगर हाथी दांत की कीमत के बारे में बात करें तो यह काफी महंगे बिकते हैं। इनकी कोई फिक्स रेट नहीं है, लेकिन यह काफी महंगे होते हैं। कुछ साल पहले पश्चिम बंगाल में 17 किलो हाथी के दांत पकड़े गए थे, जिनकी अंतरराष्ट्रीय मार्केट में वैल्यू करीब एक करोड़ 70 लाख रुपये है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इसके एक किलो की वैल्यू 10 लाख रुपये है। यानी अगर हाथी दांत 10 किलो के हैं तो उसके 1 करोड़ रुपये तक देने पड़ते हैं।

हालांकि, इससे हाथियों की हत्या की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। 1989 में हाथी दांत के बिक्री पर रोक लगाने से अफ्रीका में हाथियों की जनसंख्या स्थिर हुई। कानून के अनुसार, जो कोई हाथी, ऊंट, घोड़ा, खच्चर, सांड, गाय या बैल जिसका मूल्य कुछ भी हो पचास रुपए या उससे अधिक होता है, उसका वध करने, विष देने, विकलांग करने या निरुपयोगी बनाने पर जेल और जुर्माने का प्रावधान है।

पति के होते हुए भी हर साल विधवा बन जाती हैं यहां की सुहागिनें

हिंदू धर्म की तमाम महिलाएं वीरवार, 9 सितंबर को हरतालिका तीज का व्रत रखेंगी। यह व्रत पति की लंबी आयु और स्वस्थ जीवन के लिए रखा जाता है। इस दिन महिलाएं 16 श्रृंगार करती हैं और पूरे दिन भूखे-प्यासे रहती हैं। लेकिन आज हम आपको भारत के एक ऐसे समुदाय की महिलाओं के बारे में बताने जा रहे हैं जो शादीशुदा होते भी विधवाओं जैसा जीवन जीती हैं। जी हां, हम बात कर रहे हैं गछवाहा समुदाय की महिलाओं की। ये महिलाएं अपने समुदाय के रिति-रिवाजों को लंबे समय से मानते हुए आ रही हैं। बताया जाता है कि गछवाहा समुदाय की विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए ही विधवाओं जैसा जीवन जीती हैं।

गछवाहा समुदाय की कुलदेवी हैं तरकुलहा देवी : गछवाहा समुदाय के लोग मुख्यतः पूर्वी उत्तर प्रदेश में पाए जाते हैं। इस समुदाय के लोग ताड़ी (पेय पदार्थ) उतारने का काम करते हैं। गछवाहा समुदाय के मर्द करीब 5 महीनों तक लगातार ताड़ के पेड़ से ताड़ी उतारते हैं। इस दौरान उनकी पत्नियां न तो सिंदूर लगाती हैं और न ही किसी तरह का कोई श्रृंगार करती हैं। इतना ही नहीं, इस दौरान महिलाएं उदासी में ही रहती हैं। जानकारी के मुताबिक तरकुलहा देवी, गछवाहा समुदाय की कुलदेवी हैं। जब गछवाहा समुदाय के आदमी ताड़ी उतारने का काम करते हैं, उस समय उनकी पत्नियां अपने श्रृंगार का सामान तरकुलहा देवी के मंदिर में रखती हैं। यह मंदिर पूर्वी यूपी के गोरखपुर जिले में स्थित है।

एलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का यह ड्रीम प्रोजेक्ट

क्या है स्टारलिंक इंटरनेट जिसे भारत में लाने की तैयारी कर रहे एलॉन मस्क, 5जी से भी तेज होगी स्पीड!

स्पेसएक्स के मुताबिक स्टारलिंग इंटरनेट हाई स्पीड ब्रॉडबैंड है जिसे इस्तेमाल में लेने के लिए कंपनी की तरफ से किट दी जाती है। साल 2021 में स्टारलिंक का काम पूरी दुनिया में फैलने की उम्मीद है। इसकी स्पीड 50 एमबीपीएस से लेकर 150 एमबीपीएस तक हो सकती है।

• जालंधर ब्रीज। रिपोर्टर

'स्पेस मुगल' एलॉन मस्क का दुनिया में खास नाम है। कहा जाता है कि मस्क वही काम करते हैं जिस पर दुनिया को हैरत हो। दुनिया में सोच में पड़ जाए कि क्या ऐसा भी हो सकता है। ऐसे काम एलॉन मस्क के शगल में शामिल हैं। हैरतअंगेज काम का उनका लंबा-चौड़ा चिट्ठा है। इसी फेहरिश्त में एक है स्टारलिंक इंटरनेट। एलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का यह ड्रीम प्रोजेक्ट है। अब तक यही माना जाता था कि भारत में स्टारलिंक इंटरनेट शायद ही शुरू हो पाए। लेकिन मस्क ने संकेत दिया है कि सरकारी मंजूरी मिलते ही वे भारत में इसकी सेवा शुरू कर देंगे।

दरअसल, स्टारलिंक सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवा है। एलॉन मस्क ने साल 2015 में इस सर्विस का ऐलान किया था। तब से लेकर इस इंटरनेट को लेकर तमाम तरह की बातें होती हैं। स्टारलिंक के जरिये पूरी धरती पर समान रूप से इंटरनेट सेवा दी जाएगी, वह भी लो-ऑर्बिट सैटेलाइट के जरिये। अन्य इंटरनेट में समुद्र और महासागरों के नीचे लंबे-लंबे तार दौड़ाए जाते हैं जिससे दुनिया के एक कोने से दूसरे कोने तक इंटरनेट पहुंचाया जाता है। स्टारलिंक का दावा है कि सैटेलाइनट के जरिये यह सेवा पूरी दुनिया में दी जाएगी।

स्टारलिंक इंटरनेट क्या है : अभी हाल में स्टारलिंक ने अपने कस्टमर को 100,000 टर्मिनल दिए हैं जिनसे इंटरनेट सर्विस दी जाएगी। इसके लिए एलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने नवंबर 2019 में एक सैटेलाइट भी लॉन्च की है। बीटा प्रोग्राम के तहत स्टारलिंक ने साल 2020 में अपने कुछ लकी कस्टमर को प्रति माह 99 डॉलर या 7,200 रुपये की दर से इंटरनेट सेवा देने का ऑफर दिया था। स्पेसएक्स ने अभी तक 1700 सैटेलाइट लॉन्च किए हैं जिनसे स्टारलिंक कस्टमर्स के 100,000 टर्मिनल जुड़े हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, लगभग 5 लाख इंटरनेट सर्विस के ऑर्डर स्टारलिंक को मिले हैं जिन पर काम हो रहा है।

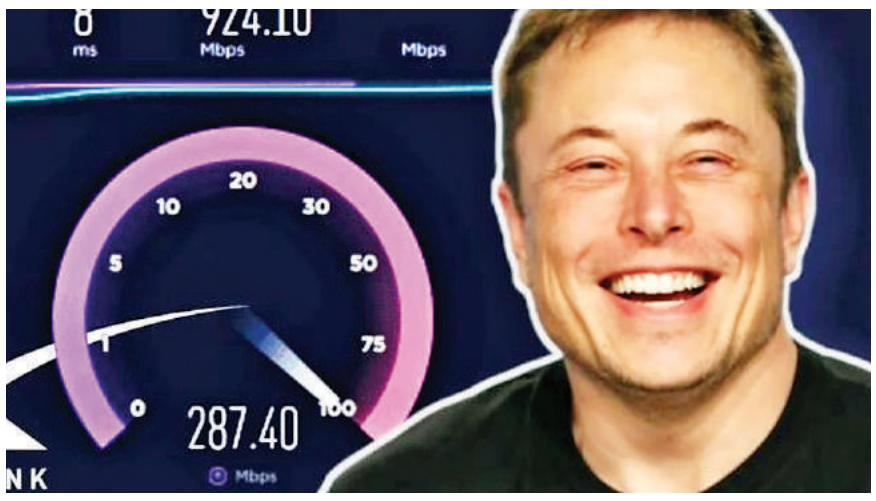

कितने लगेगा खर्च : स्टारलिंक के अधिकांश कस्टमर बीटा प्रोग्राम का लाभ उठाते हैं। यह बीटा वर्जन दुनिया के दूर-दराज इलाकों में भी काम करता है जहां आम इंटरनेट की सेवा नहीं मिलती या जहां इंटरनेट कंपनियों के टॉवर नहीं है। जिन इलाकों में इंटरनेट की सेवा काफी धीमी है, वहां एलॉन मस्क की स्टारलिंक सैटेलाइट के जरिये तेज इंटरनेट की सेवा देती है। बीटा प्रोग्राम को लेने के लिए कस्टर्स को 36,440 रुपये देने होंगे।

स्टारलिंक क्या देता है : स्टारलिंक इंटरनेट सर्विस में कस्टमर को एक किट मिलती है। इसके साथ एक यूजर टर्मिनल होता है जिसे 'डिशी मैकफ्लैटफेस' कहते हैं। इसके साथ ही कस्टमर को एक वाई-फाई राउटर, केबल, एक पावर सप्लाई और माउंटिंग ट्राईपॉड दिया जाता है। पृथ्वी की लो ऑर्बिट में स्पेसएक्स 30,000 स्टारलिंग सैटेलाइट भेजने का लक्ष्य बना चुका है। इन सैटेलाइट के माध्यम से ही पूरी दुनिया में कस्टमर्स को ब्रॉडबैंड की सुविधा दी जाएगी।

क्या कहता है स्पेसएक्स : स्पेसएक्स के मुताबिक स्टारलिंग इंटरनेट हाई स्पीड ब्रॉडबैंड है जिसे इस्तेमाल में लेने के लिए कंपनी की तरफ से किट दी जाती है। साल 2021 में स्टारलिंक का काम पूरी दुनिया में फैलने की उम्मीद है। इसकी स्पीड 50 एमबीपीएस से लेकर 150 एमबीपीएस तक हो सकती है। इसे ऑर्डर करने का पूरा काम ऑनलाइन रखा गया है। बाकी सैटेलाइनट की तुलना में स्टारलिंक के सैटेलाइट धरती से ज्यादा नजदीक हैं। इसलिए इंटरनेट की स्पीड तेज होगी और गेमिंग, वीडियो कॉलिंग ज्यादा आसान होगी।

यह सेवा उन इलाकों में ज्यादा कारगर होगी जहां आम इंटरनेट सेवा काम नहीं करती। जहां मोबाइल कंपनियों के टॉवर नहीं हैं या इंटरनेट है भी तो बहुत धीमा। 5जी स्पीड के बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा रहा, लेकिन यह बात जरूर है कि 5जी में जहां टॉवर की जरूरत होगी तो स्टारलिंक में ऐसी कोई बात नहीं है। स्पेसएक्स इसकी स्पीड 300 एमबीपीएस तक ले जाने की तैयारी में है।

जमीन के भीतर दबे कोयले का पता लगाएगा ये मेड इन इंडिया सॉफ्टवेयर, पतली से पतली परत का भी चल पाएगा पता

यह सॉफ्टवेयर पूरी तरह 'मेड इन इंडिया' है। यह कोयले की खोज के समय और लागत को बचाने में भी सहायता करेगा और कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भर भारत के मिशन को बढ़ावा देगा।

नई दिल्ली। कोल इंडिया लिमिटेड ने स्पेक्ट्रल एनहान्समेंट नाम का एक सॉफ्टवेयर लांच किया है, जो भूकंपीय तरंगों की मदद से सर्वे कर जमीन के भीतर दबे कोयले का पता लगा सकेगा। इस सॉफ्टवेयर की मदद से देश में कोयला संसाधनों के बेहतर आकलन में मदद मिलेगी। बताया जा रहा है कि यह देश में कोयले की खोज के लिए इस्तेमाल होने वाला अपनी तरह का पहला ऐसा सॉफ्टवेयर है।

कोयला मंत्रालय के तहत कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा विकसित यह नया सॉफ्टवेयर कोयला खोजने की प्रक्रिया के दौरान भूकंपीय सर्वेक्षण का इस्तेमाल करके पृथ्वी की सबसे ऊपरी सतह (क्रस्ट) के नीचे पतले कोयले के निशानों की पहचान करने में मदद करेगा। इसके अलावा यह सॉफ्टवेयर कोयला संसाधनों के मूल्यांकन में सुधार करने में भी सहायता करेगा।

किसने विकसित किया है सॉफ्टवेयर : सीआईएल के अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) शाखा सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट (सीएमपीडीआई) ने गुजरात एनर्जी रिसर्च एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (जीईआरएमआई) के सहयोग से अपनी तरह का यह पहला सॉफ्टवेयर विकसित किया है। कंपनी ने बताया है कि वह अपनी कॉपीराइट सुरक्षा के लिए भी आवेदन करेगी।

पूरी तरह 'मेड इन इंडिया' है सॉफ्टवेयर : यह सॉफ्टवेयर पूरी तरह 'मेड इन इंडिया' है। यह 'मेड इन इंडिया' सॉफ्टवेयर कोयले की खोज के समय और लागत को बचाने में भी सहायता करेगा और इस प्रकार

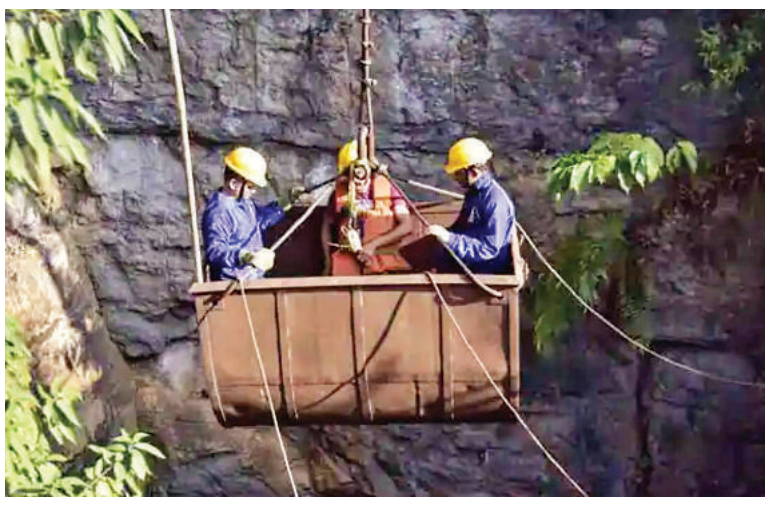

कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भर भारत के मिशन को बढ़ावा देगा। सीआईएल के सीएमडी प्रमोद अग्रवाल ने सीआईएल के आरएंडडी बोर्ड की उपस्थिति में इस सॉफ्टवेयर को लॉन्च किया। इस बोर्ड में प्रतिष्ठित संगठनों व संस्थानों के वरिष्ठ निदेशक और विशेषज्ञ सदस्य शामिल हैं।

किस तरह होगी मददगार नई तकनीक? : एसपीई सॉफ्टवेयर को शुरू करने से कई तरह के बदलाव होंगे। अभी जो भारत में तकनीक है उसकी कोयले की खोज के लिए मौजूदा भूकंपीय सर्वेक्षण तकनीकों में पृथ्वी के नीचे पतले कोयले के निशानों की पहचान करने की अपनी सीमाएं हैं। लेकिन अब यह संभव होगा, क्योंकि यह नया सॉफ्टवेयर भूकंपीय संकेतों के समाधान को बढ़ाने में सहायता करता है, जिससे सबसे पतले कोयले के निशानों का चित्रण आसानी से होता है।

80% से ज्यादा कोयले का उत्पादन करता है सीआईएल : गौरतलब है कि भारत के कुल कोयला उत्पादन में सीआईएल की हिस्सेदारी 80 फीसदी है। भारत में वाणिज्यिक कोयला खनन का इतिहास लगभग 220 वर्ष पुराना है जिसकी शुरूआत दामोदर नदी के तट पर स्थित रानीगंज कोलफील्ड में ईस्ट इंडिया कंपनी के मैसर्स सुमनेर और हीटली द्वारा 1774 को की गयी थी। इसके बाद धीरे-धीरे 1900 से 1920 तक भारत प्रतिवर्ष 18 मीट्रिक टन करने लगा था। वहीं 1946 में भारत ने इस उत्पादन को बढ़ाकर 30 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष कर लिया। आजादी के बाद देश ने इस क्षेत्र में बहुत तेजी से प्रगति की और कोल इंडिया लिमिटेड जैसी कंपनी उभर कर आई। आज कोल इंडिया लिमिटेड भारत में कुल कोयला उत्पादन का लगभग 80% से अधिक उत्पादन करती है।

इंडियन रेलवे की इस कंपनी ने निवेशकों का पैसा किया दोगुना, आगे भी है कमाई का मौका

नई दिल्ली. भारतीय रेलवे की पीएसयू इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) का शेयर सोमवार को ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान आईआरसीटीसी का शेयर 3,000 रुपए के स्तर को पार कर गया। यह लगातार दूसरा ट्रेडिंग सेशन है, जब आईआरसीटीसी के शेयर में तेजी आई है। मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक, आईआरसीटीसी के शेयरों तेजी बरकरार रहेगी क्योंकि इसने 3,000 रुपए का लेवल पार किया है।

मुनाफा बढ़ा : वित्त वर्ष 2021-22 की अप्रैल-जून तिमाही में आईआरसीटीसी के मुनाफा में उछाल आया है। पहली तिमाही में आईआरसीटीसी को 82 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ। एक साल पहले समान तिमाही में आईआरसीटीसी को 24 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था।

कंपनी के ऑपरेशंस रेवेन्यू में 85 फीसदी की उछाल रही और इसका रेवेन्यू जून 2020 तिमाही में 131 करोड़ रुपये के मुकाबले अप्रैल-जून 2021 में 243 करोड़ रुपये हो गया।

आईआरसीटीसी का शेयर होगा स्प्लिट : आईआरसीटीसी ने अपने शेयरों को स्प्लिट करने का फैसला किया है। कंपनी के मुताबिक, एक शेयर को पांच इक्विटी शेयरों में स्प्लिट किया जाएगा। इसके बाद आईआरसीटीसी के शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपये से घटकर 2 रुपये प्रति शेयर रह जाएगी। हालांकि अभी इस प्रस्ताव को रेल मंत्रालय व अन्य शेयरधारकों की मंजूरी मिलना बाकी है।

इश्यू प्राइस से 850 फीसदी बढ़ा शेयर : स्टॉक एक्सचेंज पर

लिस्टिंग के बाद से ही इसके भाव 320 रुपए के आईपीओ प्राइस के मुकाबले 850 फीसदी तक उछल चुके हैं। वहीं साल 2021 में शेयर 100 फीसदी से ज्यादा चढ़ा है। इस साल आईआरसीटीसी का शेयर 112 फीसदी तक बढ़ा है।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि हॉस्पिटैलिटी बिजनेस पर फोकस बढ़ाने की वजह से आईआरसीटीसी शेयर की कीमतों में तेजी आई है। कंपनी हॉस्पिटैलिटी बिजनेस में सभी सॉल्यूशन प्रदान करने वाली है। इसने एविएशन और सरफेस ट्रांसपोर्ट सर्विस प्रोवाइडर्स के साथ होटल से भी साझेदारी की है।

इसके अलावा, यह फूड सप्लाई बिजनेस पर भी फोकस बढ़ा रही है और इस फूड सप्लाई चेन के साथ साझेदारी की है। इसलिए आईआरसीटीसी अब केवल ई-टिकट प्लेटफॉर्म नहीं रह जाएगा।

इंडियन आर्मी करेगी आतंकियों का सफाया

एयर स्ट्राइक जैसे मिशन के लिए भारत में 'स्ट्राइकर' बनाएगी इजरायली कंपनी

एयर स्ट्राइकर की मारक क्षमता करीब 100 किलोमीटर तक होगी, लेकिन यह स्काई स्ट्राइकर 20 किमी। दूर स्थित लक्ष्य क्षेत्र तक 10 मिनट में पहुंचकर मिशन को अंजाम देने के बाद लौट सकते हैं।

• जालंधर ब्रीज। रिपोर्टर

पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत ने बालाकोट में एयर स्ट्राइक कर आर्तकियों के ठिकाने को तबाह कर दिया था। इस तरह के मिशन भारतीय सेना के लिए भविष्य में और आसान होंगे। आने वाले दिनों में भारतीय सेना 'स्काई स्ट्राइकर' से लैस होगी, जो कि एयर स्ट्राइक जैसे ऑपरेशन को अंजाम देने में मदद करेंगी। यह आत्मघाती ड्रोन की तरह काम करता है और विस्फोटकों के जरिये लक्ष्य को खत्म कर डालता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने जिस तरह 2019 में बालाकोट में घुसकर एयर स्ट्राइक की थी, वैसे ही हवाई हमलों के लिए भारतीय सेना खुद को मजबूत करना चाहती है। इसलिए सेना ने 100 से अधिक 'स्काई स्ट्राइकर' खरीदने के लिए एक डील की है। बेंगलुरु की कंपनी अल्फा डिजाइन टेक्नोलॉजीज के नेतृत्व वाले संयुक्त उद्यम इजराइल की कंपनी एलबिट सिस्टम से यह अनुबंध किया गया है।

क्या है 'स्काई स्ट्राइकर'?

एल्बिट सिक्योरिटी सिस्टम्स के अनुसार स्काई स्ट्राइकर एक लागत प्रभावी 'घूमने वाला हथियार' है जो लंबी दूरी तक सटीक और सामरिक हमले करने में सक्षम है। अनुबंध के तहत इन 'स्काई स्ट्राइकर' का निर्माण बेंगलुरु में किया जाना है जिनका उपयोग बालाकोट जैसे मिशनों में किया जा सकता है।

यह सशस्त्र ड्रोन सेना की 'घुमंतू युद्ध सामग्री' की आवश्यकता को पूरा करेंगे। यह एक प्रकार का मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) है, जो विस्फोटक

वारहेड के साथ लाइन-ऑफ-विजन ग्राउंड लक्ष्यों से परे संलग्न करने के लिए बनाया गया है।

कैसे काम करता है 'स्काई स्ट्राइकर'?

स्काई स्ट्राइकर एक 'आत्मघाती ड्रोन' की तरह काम करता है, जो विस्फोटकों के साथ लक्ष्य को मारकर खुद भी नष्ट हो जाता है।

यह खुद 5 किलो वारहेड के साथ निर्दिष्ट लक्ष्यों का पता लगाकर उन पर हमला कर सकता है।

यह बहुत ही धीमी आवाज के साथ कम ऊंचाई पर उड़ सकता है, जो इसे मौन, अदृश्य और आश्चर्यजनक हमलावर बनाता है।

इनकी मारक क्षमता करीब 100 किलोमीटर तक होगी, लेकिन यह स्काई स्ट्राइकर 20 किमी। दूर स्थित लक्ष्य क्षेत्र तक 10 मिनट में पहुंचकर मिशन को अंजाम देने के बाद लौट सकते हैं।

लॉन्च करने से पहले इस पर ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) लोड किया जाता है।

इसका अपने लक्ष्य को मारने का तरीका भी अलग है क्योंकि यह उड़ान भरने के बाद पहले लक्ष्य के चारों ओर चक्कर लगाता है और फिर ग्राउंड कंट्रोल रूम की मंजूरी मिलने के बाद ही लक्ष्य को टार्गेट करता है।

इसे लॉन्च करने के बाद ग्राउंड कंट्रोल रूम लक्ष्य भी बदल सकता है और किसी भी मिशन को रद्द करके उसे वापस भी बुला सकता है।

100 से अधिक ड्रोन के लिए डील

दरअसल, जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में 14 फरवरी 2019 को सीआरपीएफ के काफिले पर किए गए आत्मघाती हमले का बदला लेने के लिए ठीक 12 दिन बाद भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने 26 फरवरी 2019 को तड़के 3।30 बजे बालाकोट में घुसकर आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया था। इसे बालाकोट एयर स्ट्राइक के नाम से जाना जाता है।

अब भारतीय सेना भी खुद को इसी तरह की एयर स्ट्राइक करने के लिए मजबूत करना चाहती है। यही वजह है कि सेना ने आपातकालीन खरीद के तहत विस्फोटक से लदे 100 से अधिक ड्रोन की आपूर्ति के लिए लगभग 100 करोड़ रुपये का अनुबंध बेंगलुरु की कंपनी अल्फा डिजाइन टेक्नोलॉजीज के नेतृत्व वाले संयुक्त उद्यम इजराइल की कंपनी एलबिट सिस्टम से किया है।

वायुसेना की शक्ति बढ़ाएंगे रडार

अल्फा डिजाइन के संयुक्त उद्यम को भारतीय सेना के अनुबंध के अलावा हाल ही में भारतीय वायु सेना से दो और रक्षा अनुबंध मिले हैं। पहले अनुबंध में 6 अति उच्च आवृत्ति वाले रडार शामिल हैं। भारतीय वायु सेना लंबी दूरी के निगरानी रडार पी-18 का संचालन कर रही है, जिसकी सीमा 200 किमी तक है। नए रडार भारतीय वायुसेना की निगरानी शक्ति को बढ़ाएंगे।

दूसरा अनुबंध दोस्त या दुश्मन की पहचान करने वाली 60 प्रणालियों के लिए किया गया है, जिन्हें जमीनी रडार के साथ एकीकृत किया जाएगा। डीआरडीओ के तहत सेंटर फॉर एयरबोर्न सिस्टम्स ने इसे विकसित किया है। इसके बाद यह प्रौद्योगिकी अल्फा, बीईएल और डेटा पैटर्न कंपनियों को स्थानांतरित कर दी गई है।

गमाडा की ऐरोट्रोपोलिस स्कीम

ज़मीन मालिकों को लेटर ऑफ इंटेंट देने के लिए ऑनलाइन वितरण शुरू

चण्डीगढ़/एसएएस नगर. आवास निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री सुखबिन्दर सिंह सरकारिया ने आज उन ज़मीनों के मालिकों को ऑनलाइन ढंग से लेटर ऑफ इंटेंट (एल.ओ.आई) जारी करने की शुरूआत की है जिनकी ज़मीन ग्रेटर मोहाली एरिया डिवैल्पमैंट अथॉरटी (गमाडा) के अधीन ऐरोट्रोपोलिस प्रोजैक्ट के लिए अधिग्रहण किया गया है। डिजिटल ढंग से लेटर ऑफ इंटेंट (आज्ञा पत्र) जारी करने की इस पहलकदमी ने एल.ओ.आई. जारी करने के पुराने रिवायती ढग़ को बदल दिया है। पुड़ा भवन, एसएएस नगर में ऐरोट्रोपोलिस स्कीम के अंतर्गत अधिग्रहण की गई ज़मीन के मालिकों को एलओआई जारी करने की ऑनलाइन प्रक्रिया की शुरूआत करने के मौके पर सरकारिया ने इसको एक मील पत्थर स्थापित करने वाला दिन बताया। इस मौके पर आवास निर्माण एवं शहरी विकास विभाग के प्रमुख सचिव सरवजीत सिंह और गमाडा के मुख्य प्रशासक प्रदीप कुमार अग्रवाल भी उपस्थित थे।

इस नई प्रणाली में ज़मीन मालिकों को एक एसएमएस प्राप्त होता है जिसमें एक लिंक होता है जिस पर क्लिक करके वह एलओआई डाउनलोड कर सकते हैं। अब ज़मीन मालिकों को एलओआई प्राप्त करने के लिए गमाडा कार्यालय के चक्कर लगाने की ज़रूरत नहीं है। इससे लोगों का समय भी बचेगा और साथ ही उनको तेज़ी से सुपुर्दगी भी मिलेगी। ऑनलाइन एलओआई जारी करने सम्बन्धी लोगों तक सुपुर्दगी को भी सुनिश्चित बनाता है क्योंकि पिछले समय के दौरान जब एलओआई दस्ती जारी किए जाते थे तब कुछ मामलों में ज़मीन मालिकों द्वारा एलओआई न प्राप्त होने की शिकायतें दर्ज करवाई गई थीं।

नाबार्ड द्वारा 'पंजाब में कृषि निर्यात संवर्धन के अवसर' कार्यशाला आयोजित

चंडीगढ़. नाबार्ड पंजाब क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ द्वारा 'पंजाब में कृषि निर्यात संवर्धन के अवसर' डॉ. राजीव सिवाच, मुख्य महाप्रबंधक की अगुवाई में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में डॉ. अजय वीर जाखड़, अध्यक्ष, पंजाब राज्य किसान और कृषि श्रमिक आयोग मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुये। कार्यशाला में अपेडा, PAGREXCO, PAU, GADVASU, CIPHET, DMI, बागवानी विभाग, मिल्कफेड, एक्जिम बैंक, नाबी, क्रॉपइन टेक्नोलोजी के अधिकारियों और वैज्ञानिकों ने भाग लिया। एफपीओ सदस्यों, पीओपीआई/एनजीओ और प्रगतिशील किसानों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

कपूरथला में मेगा रोज़गार मेले आज से

25 से अधिक नामी कंपनियाँ करेगी उम्मीदवारों का चयन

कपूरथला. पंजाब सरकार की तरफ से युवाओं को रोज़गार प्रदान करने के उदेश्य से कपूरथला ज़िले में 9 से 17 सितम्बर तक लगाए जाने वाले 4 मेगा रोज़गार मेलों की शुरुआत कल स्थानीय सरकारी सीनियर सकैंडरी स्कूल कपूरथला से होगी। डिप्टी कमिश्नर कपूरथला श्रीमती दीप्ति उप्पल की तरफ से पहले रोज़गार मेलो का उद्घाटन किया जाएगा। उन्होनें युवाओं को न्योता दिया कि वह इस मेले का अधिक से अधिक लाभ उठाए। पहला रोज़गार मेला दो दिन 9 और 10 सितम्बर को होगा ,जबकि 14 सितम्बर को एस.डी. कालेज सुल्तानपुर लोधी, 16 और 17 सितम्बर को रामगढिया इंस्टीट्यूट आफ इंजी,.फगवाड़ा और 17 सितम्बर को गुरू नानक प्रेम करमसर कालेज नडाला में लगेगा। इन मेलों में 25 से ज़्यादा नामी कंपनियाँ जिनमें वर्धमान, आई.सी.आई.सी.आई, एक्सिस बैंक, एच.डी.एफ.सी. बैंक, फलिपकार्ट, महेन्दरा टेक, जस्ट डायल, एमाजोन पे, एल.आई.सी. और इंडसइंड बैंक भाग लेगी। इस सम्बन्धित अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर कपूरथला श्री एस.पी आंगरा के साथ ज़िला रोज़गार और कारोबार ब्यूरो की प्रमुख नीलम महे और सुपरडैंट साहिल ओबराय की तरफ से सरकारी सीनियर सकैंडरी स्कूल कपूरथला(लड़के) का जायज़ा भी लिया गया। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों के बैठने और इंटरव्यू आदि के लिए प्रशासन की तरफ से पुख़्ता प्रबंध किये गए है। उन्होंने कहा कि मारकफैड्ड की तरफ से रोज़गार सम्बन्धित जानकारी प्रदान करने के लिए स्टाल भी लगाए जाएंगे। इसी दौरान डिप्टी कमिश्नर कपूरथला ने युवाओं को न्योता दिया कि वह इस मेलो का अधिक से अधिक लाभ उठाए।

हाँ मैं हिंदी हूँ

लेखिका
राधा

हाँ मैं हिंदी हूँ
मैं भारतीयों की आशा हूँ
मैं जन-जन की भाषा हूँ
मैं भावों की सरिता हूँ ,
मैं मीठी मोहक कविता हूँ।
हाँ मैं हिंदी हूँ
मैं साँसों में बहता प्राण हूँ
मैं आँखों में बसता ख्वाब हूँ
मैं सत्य और सनातन हूँ
मैं आधुनिक और पुरातन हूँ
हाँ मैं हिंदी हूँ।
मैंने यह वजूद बड़ी मुश्किलों से पाया है
मैंने यह सम्मान पाया कठिनाइयों से पाया है
पर अब डरती हूँ कि कहीं खो ना जाए
इस बहुभाषी दुनिया मेरा यह वजूद
हाँ मैं हिंदी हूँ
मैं वही सरस सरल शब्दों की लड़ी हूँ
मैं सभ्यता संस्कृति को थामे खड़ी हूँ
फिर भी कार्यालयों में दुबकी पड़ी हूँ
कहीं भविष्य में लुप्त ना हो जाए
मेरा यह स्वरूप
हाँ मैं हिंदी हूँ
आओ तुम हम मिलकर करें आज प्रयास
हिंदी प्रेमियों के दिल में मिलकर जगाएं नई आस
चाहे जाएं देश- विदेश पर भावों में हो हिंदी
हिंदुस्तान के माथे पर चमके , चमके जैसे बिंदी
हां मैं हिंदी हूँ।

जालंधर पुलिस ने अवैध शराब समेत 2 व्यक्ति किए गिरफ्तार

जालंधर. थाना डिवीज़न नंबर 3 जालंधर के कर्मचारियों ने इंस्पेक्टर मुकेश कुमार मुख्य अधिकारी थाना के नेतृत्व में 12 बोतलें शराब समेत एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है जिस की पहचान वरिंदर कुमार पुत्र कांता प्रसाद वासी कमल विहार, बशीरपुरा जालंधर के तौर पर हुई है। आरोपी के खिलाफ मुकद्दमा नंबर 111 तिथि 08-09-2021 अ.ध. 61-1-14 आबकारी एक्ट के तहत दर्ज किया गया।

इसी तरह एडीसीपी सुहेल मीर, एसीपी बलविंदर इकबाल सिंह काहलों व थाना नं. 2 के प्रभारी सेवा सिंह के नेतृत्व में नशों के खिलाफ चलाए अभियान के तहत एएसआई निशान सिंह ने पुलिस पार्टी के साथ मिलकर 2 पेटियां शराब मारका मास्टर मूवमिंट व्हिसकी समेत राज कुमार उर्फ गौरी पुत्र लाल चंद वासी बहादुर नगर जालंधर नज़दीक शिवपुरी मुहल्ला हरनामदासपुरा जालंधर को गिरफ़्तार किया है।

पंजाब निर्माण प्रोग्राम के अंतर्गत कपूरथला क्षेत्र के लिए 10 करोड़ रुपए की ग्रांट जारी

पहले पड़ाव के अंतर्गत 83 पंचायतों को 8.61 करोड़ के चैक बाँटे

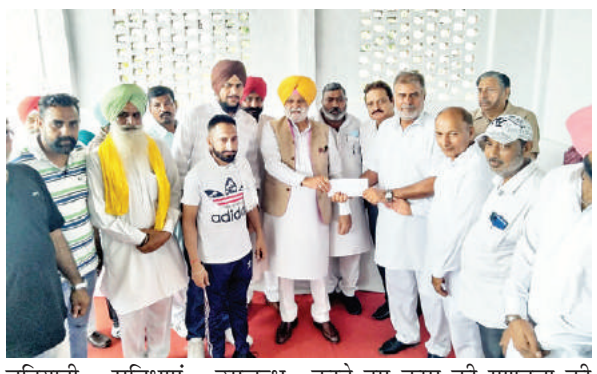

कपूरथला. पंजाब सरकार की तरफ से पंजाब निर्माण प्रोगराम के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों की काया कल्प करने के लिए विधानसभा क्षेत्र कपूरथला के लिए जारी की 10 करोड़ रुपए की ग्रांट में से पंचायतों को विकास कामों के लिए चैक बाँटने की शुरुआत आज कपूरथला से विधायक राणा गुरजीत सिंह की तरफ से की गई। उन्होंने क्षेत्र के तीन गाँवों सैदोवाल, सुन्नड़वाल और धालीवाल दोना में हुए अलग -अलग समागमों दौरान पंचायतों को गाँवों के सर्वपकक्षीय विकास के लिए चैक बाँटे। पहले पड़ाव के अंतर्गत 83 गाँवों की पंचायतों को 8 करोड़ 61 लाख रुपये के चैक बाँटे गए है। अलग-अलग स्थानों पर हुए समागमों दौरान लोगों के मुखातिब होते हुए विधायक राणा गुरजीत सिंह ने कहा कि पंजाब सरकार की तरफ से मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों 100 प्रतिशत बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए 10 -करोड़ रुपए की ग्रांट जारी की गई है। उन्होंने बताया कि इन ग्रांटों के साथ कंक्रीट की गलियों, सीवरेज, स्ट्रीट लाईटों, पार्कों, श्मशान भूमि के निर्माण,पाईप लाईनों, धर्मशाला, जिम के कमरो का निर्माण, इंटरलाक टायले लगाने, सीवरेज के निर्माण अगले 2 महीनों दौरान पूरे कर लिए जायेगे। उन्होंने पंचायतों को न्योता दिया कि वह इन ग्रांटों की सभ्य प्रयोग करते हुए काम की गुणवत्ता की तरफ विशेष ध्यान दे। उन्होंने कहा कि कपूरथला क्षेत्र के विकास के लिए पंजाब सरकार की तरफ से खुलदिली के साथ ग्रांटें दी जा रही है।

इस अवसर पर अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (व) श्री एस.पी आंगरा, ब्लाक कांग्रेस के प्रधान अमरजीत सिंह सैदोवाल,ब्लाक समिति मैंबर गुरदीप सिंह बिशनपुर, बी.डी.पी.ओ अमरजीत सिंह के इलावा कई गाँवों के पंच -सरपंच उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री आज करेंगे रोज़गार सृजन, कौशल विकास और प्रशिक्षण विभाग की प्रमुख स्कीमों का उद्घाटन

चंडीगढ़. रोज़गार सृजन, कौशल विकास और प्रशिक्षण विभाग, पंजाब नौजवानों को रोज़गार मुहैया करवाने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। विभाग के अधीन चल रही विभिन्न स्कीमों का नींव पत्थर उद्घाटन मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह द्वारा 9 सितम्बर को वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा किया जायेगा।

रोज़गार सृजन, कौशल विकास और प्रशिक्षण विभाग के मंत्री श्री चरनजीत सिंह चन्नी ने बताया कि मुख्यमंत्री की तरफ से जिन स्कीमों का नींव पत्थर और उद्घाटन किया जाना है, उनमें मुख्य तौर पर सी-पाइट संस्थाओं के स्थायी कैंप को स्थापित किये जाने के लिए नींव पत्थर रखा जायेगा। इस कैंप की स्थापना आसल उताड़, (अब्दुल हमीद की यादगार के नज़दीक, भारत-पाकिस्तान युद्ध वर्ष 1965) ज़िला तरन तारन में की जा रही है। इस संस्था का मुख्य मंतव्य पंजाब के पढ़े-लिखे बेरोज़गार युवकों को फ़ौज /अर्ध सैनिक बलों में भर्ती करने के लिए पूर्व चयन प्रशिक्षण देने के इलावा उनकी कुशलता में विस्तार करने के लिए विभिन्न पेशों में तकनीकी प्रशिक्षण देना है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण बेरोज़गार, गरीब और अनुसूचित/पिछड़ी श्रेणियों के नौजवान इस ट्रेनिंग के अधीन प्रशिक्षण प्राप्त करके अधिक से अधिक लाभ ले रहे हैं।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान युवकों को मुफ़्त खाना-पीना और रिहायश मुहैया करवाई जाती है। इस कैंप की स्थापना से ज़िला तरन तारन के युवक प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत राज्य का नाम रौशन कर सकेंगे।

स्पोर्ट्स प्लेनेट

ओवल जीत के हीरो रोहित शर्मा ने आईसीसी रैंकिंग में मचाया धमाल

पहली बार किया ये मुकाम हासिल, बुमराह-ठाकुर की भी हुई मौज

भारत ने ओवल में खेले गए चौथे टेस्ट मैच में इंग्लैंड को हराया था और इस जीत में रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, शार्दुल ठाकुर ने अहम योगदान दिया था जिसका फायदा उन्हें मिला है।

नई दिल्ली.भारत ने अपने हरफनमौला खेल के दम पर ओवल में खेले गए चौथे टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 157 रनों से पटखनी दी थी। इस मैच में भारत के गेंदबाजों से लेकर बल्लेबाजों तक ने दमदार खेल दिखाया था। भारत की इस जीत के तीन अहम हीरो रहे रोहित शर्मा, शार्दुल ठाकुर और जसप्रीत बुमराह को चौथे टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन का फल भी मिला है। इन दोनों को आईसीसी की ताजा रैंकिंग में फायदा हुआ है।

रोहित टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में पांचवें स्थान पर ही बने हुए हैं, लेकिन उन्होंने 800 अंकों का आंकड़ा पार कर लिया है। यह पहली बार है जब रोहित ने टेस्ट रैंकिंग में 800 रेटिंग अंक का आंकड़ा पार किया है। रोहित ने चौथे मैच में भारत की दूसरी पारी में 127 रन बनाए। यह उनका विदेशी जमीन पर पहला टेस्ट शतक भी था। बल्लेबाजों की रैंकिंग में जो रूट पहले स्थान पर हैं। उनके बाद केन विलियम्सन, स्टीव स्मिथ, मार्नस लाबुशैन हैं। रोहित के बाद कप्तान विराट कोहाली का नाम है।

वहीं बुमराह ने गेंदबाजी में कमाल दिखाया था। उन्होंने मैच की चौथी पारी में छह ओवर का जो स्पैल डाला था उसने टीम इंडिया की जीत के रास्ते खोल दिए थे। बुमराह ने छह ओवर में महज छह रन दिए थे और दो अहम विकेट लिए थे। उन्होंने इंग्लैंड की पहली पारी के हीरो ऑली पोप को आउट किया और फिर जॉनी बेयरस्टो का विकेट निकाला। इसका फायदा बुमराह को मिला है। वह गेंदबाजों की रैंकिंग में एक स्थान आगे बढ़ गए हैं और 10वें से नौवें स्थान पर आ गए हैं। बुमराह ने वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर को नौवें स्थान पर से हटाया है।

बुमराह के 771 अंक हैं। पहले स्थान पर पैट कमिंस और दूसरे स्थान पर रविचंद्रन अश्विन हैं। इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन को एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह सातवें नंबर पर आ गए हैं। साउथ अफ्रीका के कगिसो रबाडा ने उन्हें छठे स्थान से हटाया है। न्यूजीलैंड के नील वेग्नर एक स्थान आगे बढ़ते हुए पांचवें स्थान पर पहुंचे हैं।

ठाकुर ऑलराउंडर रैंकिंग में 20वें स्थान पर

गेंदबाज के तौर पर टीम में शामिल गए शार्दुल ठाकुर ने ओवल में अपनी गेंदों से ज्यादा बल्ले से कहर ढाया। उन्होंने दोनों पारियों में अर्धशतक जमाए। ठाकुर ने पहली पारी में 57 और दूसरी पारी में 60 रनों की पारी खेली। उनके इस प्रदर्शन ने उन्हें टेस्ट ऑलराउंडर की रैंकिंग में फायदा पहुंचाया है। ठाकुर आगे बढ़ते हुए इस रैंकिंग में 20वें स्थान पर आ गए हैं। इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी क्रिस वोक्स को भी ऑलराउंडर रैंकिंग में फायदा हुआ है। वह 10वें स्थान पर आ गए हैं। वोक्स ने पहली पारी में भारत के चार विकेट लिए थे। उन्होंने फिर बल्ले से कमाल दिखाया था और 50 रनों की पारी खेली थी।

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने टोक्यो पैरालंपिक खेलों के पदक विजेताओं को किया सम्मानित

बेंगलुरू : केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने टोक्यो पैरालंपिक खेलों में 5 स्वर्ण और 8 रजत सहित कुल 19 पदक जीत कर इतिहास रचने वाले भारत के पैरा-एथलीटों को सम्मानित किया। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू और युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री निसिथ प्रमाणिक भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर खेल विभाग के सचिव रवि मित्तल, युवा कार्यक्रम विभाग की सचिव ऊषा शर्मा तथा मंत्रालय के अन्य अधिकारी भी पर उपस्थित थे। अपने संबोधन में अनुराग ठाकुर ने सभी पैरा एथलीटों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी। ठाकुर ने कहा, "मुझे याद है 2016 के पैरालंपिक में, भारतीय दल के 19 पैरा-एथलीटों ने भाग लिया था, जबकि इस साल देश ने 19 पदक जीते हैं! आपने हमें दिखाया कि मानवीय भावना सबसे शक्तिशाली है! हमारी पदक तालिका में लगभग पांच गुना वृद्धि हुई है। पहली बार हमने टेबल टेनिस में पदक जीते हैं, तीरंदाजी में कई पदक जीते हैं, कैनोइंग और पावरलिफ्टिंग में पहली बार प्रतिस्पर्धा की है। हमने दो विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की तथा हमने और भी कई रिकॉर्ड तोड़े हैं। भारत के पैरा-एथलीटों ने एक आदर्श पोडियम फिनिश दिया!"

ठाकुर ने कहा, "अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए एथलीट्स को सहायता देने में सरकार के दृष्टिकोण में एक परिवर्तनकारी बदलाव आया है। सरकार सुविधाओं और वित्त पोषण के साथ भारत के पैरालंपियन्स की सहायता करना जारी रखेगी ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें। हम, हमारे पैरालंपियन्स को क्षेत्रीय और राष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए और अधिक प्रोत्साहित करना चाहते हैं ताकि वे नियमित रूप से प्रतिस्पर्धा कर सकें और अपने कौशल को निखार सकें।" उन्होंने आगे कहा, "सरकार भारत के पैरालंपियन्स को सुविधाओं और वित्त पोषण के साथ मदद देना जारी रखेगी ताकि पैरा-एथलीट 2024 और 2028 ओलंपिक में और भी अधिक पदक हासिल कर सकें। सभी पैरा-एथलीट लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) का हिस्सा हैं और इस योजना के तहत एथलीट्स को अधिक से अधिक सहायता देने के लिए योजना को और आगे बढ़ाया जाएगा व मजबूत किया जाएगा। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समावेशी भारत के दृष्टिकोण को साकार करने की हमारी प्रतिबद्धता का भी एक हिस्सा है।" ठाकुर ने यह भी कहा कि एथलीटों के असाधारण प्रदर्शन ने देश में पैरा-स्पोर्ट्स के प्रति दृष्टिकोण को बदल दिया है। सरकार ने विश्व स्तरीय सुविधाएं सुनिश्चित की हैं और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी खुद खिलाड़ियों से बात करते हैं और उन्हें प्रोत्साहित करते हैं।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.